संदर्भ ग्रंथ सूची

Amitava, S. (2020). Development of ICT integrated learning materials in social sciences at secondary stage. [Doctoral dissertation, Department of Education, Visva Bharti University].

Deepa, N. (2020). Role of Information and Communication Technology in Secondary Education. [Doctoral dissertation, School of Social Science and Languages, VIT University].

Joneja, K. (2018). Study of integration of ICT and its influence on higher order thinking skills of secondary school students. [Doctoral dissertation, Department of Education, Jamia Milia Islamia University].

Joshi, R. (2017). A STUDY on THE USE OF ICT IN MATHEMATICS TEACHING IN SECONDARY SCHOOLS OF NEPAL. [Doctoral dissertation, Faculty of Education, Banaras Hindu University].

Kingpet, N. (2013). A study of changing roles of teachers in the context of globalization and technological changes. [Doctoral dissertation, Department of Education, Sardar Patel University].

KURIAN, S. (2018). Study On The Impact Of Information And Communication Technology On School Education In Kerala The Teachers Perspective. [doctoral dissertation, Department of BSMED, Bharathiar University].

Kushwaha, S. (2019). A Study of Life Skills Education in CBSE and UP Board Secondary Schools of Varanasi City. [Doctoral dissertation, Faculty of Education, Banaras Hindu University].

Manavalan, I. (2018). Student teachers learning styles attitude and perception on information and communication technology. [Doctoral dissertation, Department of Education, Manonmaniam Sundaranar University].

Vikaspedia, (2013). शिक्षण व अध्याय की प्रक्रिया में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी.

परिशिष्ट

शिक्षक की व्यक्तिगत जानकारी

नाम-------------------------------

ई-मेल आइडी---------------------------

स्कूल का नाम-------------------------------

शिक्षण का अनुभव---------------------------------------

शिक्षक की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रति राय के आधार पर प्रश्न

प्रश्न	पूर्ण असहम %	असहमत %	तटस्थ %	सहमत %	पूर्ण सहमत%
ICT सामाजिक विज्ञान शिक्षण शैलियों का समर्थन करता है।					
2 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विशिष्ट सामग्री टूल के रूप में उपयोग करने मे मदद करता है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ती है।					

सामाजिक विज्ञान की कक्षा मे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से शिक्षण प्रभावी बनता है।					
नए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधनों का मूल्यांकन कर सकता हूं, जो सामाजिक विज्ञान की शिक्षा के लिये बने है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के आधार पर आधुनिक विधि का चयन कर सकता हूं जो की सामाजिक विज्ञान विषय के अध्यापन के लिये उपयोगी हो।					
सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपयोग के प्रति रुचि की कमी है।					
सूचना और संचार प्रोद्योगिकी के उपयोग से शिक्षक कक्षा मे प्रभावी अध्याय कर सकता है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम का प्रबंधन तथा					

नियोजन करना आसान हो जाता है।					
सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम सामग्री को तैयार करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी एक योग्य संसाधन के रूप मे माना जा सकता है।					
शिक्षकों के लिये सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक विज्ञान का एकीकरण या एकसाथ अध्याय करना कठिन है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से अध्याय करने पर सामाजिक विज्ञान विषय के अन्दर छात्रों के शैक्षणिक अंक बढने लगे है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से शिक्षकों मे संचार तथा अध्यापन के कौशल मे विकास होने लगा है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के संसाधन बाकी संसाधन के मामले में बहुत महंगे है।					

सामाजिक विज्ञान का अध्याय तभी सफल हो सकता है जब शिक्षकों के पास कंप्यूटर तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान हो।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तभी सफल होता है जब शिक्षकों को पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाए।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी शिक्षकों को नए कौशल सीखने का अवसर प्रदान करता है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से जुड़े समस्या पर बहुत अधिक समय खर्च करने की मांग करता है।					
कुछ शिक्षक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मे उतने सक्षम नहीं होते, जितने कि कुछ विद्यार्थी होते है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को पढ़ाने के लिए पाठ तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होती है।					

सामाजिक विज्ञान के जटिल अवधारणाओं को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से आसानी से अध्याय किया जा सकता है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी भविष्य में नियोजित शिक्षकों की संख्या को कम कर सकता है।					
आज के समय में सामाजिक विज्ञान के शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आवश्यक बन गया है।					
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल स्मार्ट लोग ही कर सकते हैं।					